बालकों के विकास की प्रक्रिया का गर्भावस्था से लेकर परिपक्वता की अवस्था तक अध्ययन करते हैं तथा इस अवस्था के संबंध में भविष्यवाणी (Prediction) करना, उनके व्यवहारों को उचित विकास हेतु नियंत्रित (Control) करना एवं सही मार्गदर्शन (Guidance) देना ~~उनका~~ मूल उद्देश्य होता है।

(3) शिक्षा के क्षेत्र में :-

इतना ही नहीं, आजकल मनोविज्ञान का प्रवेश शिक्षा (education) उद्योग-धंधों (Industries) व्यापार (Trade), कानून एवं अपराध (Law and Crime) इत्यादि क्षेत्रों में भी हो चुका है। आधुनिक मनोवैज्ञानिक इन विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं का अध्ययन करने एवं उनके समाधान के उपायों की खोज करने में प्रशंसनीय सफलता प्राप्त कर पाये हैं। शिक्षा के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग कर आजकल बालकों को उनकी योग्यता एवं अभिरुचि के अनुसार शिक्षा देने की व्यवस्था होने लगी है तथा विभिन्न प्रकार की मानसिक त्रुटियों से पीड़ित बालकों के लिए उचित शिक्षा दी जाने लगी है। इससे शिक्षा को जीवनोपयोगी बनाने में काफी सहायता मिली है।

(4) उद्योग-धंधों में :-

मनोविज्ञान का उद्योग-धंधों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान है। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों के फलस्वरूप श्रम की बरबादी को रोकने में काफी सहायता मिली है। साथ-ही-साथ यह मनोवैज्ञानिक अध्ययन का ही परिणाम है कि आजकल कार्य के अनुसार व्यक्ति तथा व्यक्ति के अनुसार कार्य (work according to individual and individual according to work) का चुनाव किया जाने लगा है। इससे श्रमिक एवं मालिक दोनों लाभान्वित हुए हैं। इनके अतिरिक्त औद्योगिक शांति की स्थापना, दुर्घटनाओं के मनोवैज्ञानिक कारणों का पता लगाकर नियंत्रित करने, मजदूरों की कार्यकुशलता को बढ़ाने आदि समस्याओं के समाधान में भी मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से बहुत अधिक मदद मिलती है।

(5) जीवन के अन्य क्षेत्रों में :-

इसी तरह व्यापार (trade), कानून एवं अपराध (Law and Crime), अभियंत्रण (engineering), ~~अन्तर्संक्रिया~~ अन्तराष्ट्रीय संबंध (International relation), युद्ध (war), इत्यादि क्षेत्रों में भी प्रतिदिन हम मनोविज्ञान का उपयोग होते देखते हैं, तथा इन सभी क्षेत्रों में भी हम प्रतिदिन मनोविज्ञान का उपयोग होते देखते हैं तथा इन सभी क्षेत्रों में नये-नये शोधकार्य होने लगे हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि मनोविज्ञान के क्षेत्र में जो भी वर्णन किया गया है उससे यह स्पष्ट होता है कि मनोविज्ञान का क्षेत्र बहुत ही विस्तृत है। सच्चाई तो यह है कि मानव जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र है, जहाँ मनोवैज्ञानिक अध्ययन नहीं हो रहा हो अथवा इसका उपयोग न किया जाता हो। मनोविज्ञान एक अत्यन्त ही 'युवा विज्ञान' है, फिर भी इसका प्रवेश हमारे जीवन के प्रायः प्रत्येक क्षेत्र में हो चुका है तथा विभिन्न क्षेत्रों में नये-नये अनुसंधान हो रहे हैं। यहाँ तक कि अब मनोवैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग मनुष्यों के व्यवहार एवं अनुभूतियों को समझने के अतिरिक्त पशुओं के व्यवहारों को समझने के लिए भी किया जाने लगा है।